

आईआईटी को 20वां पेटेंट, चिप का प्रदर्शन सुधारने के लिए बनाया नया मेमोरी सर्किट

भास्कर संवाददाता | इंदौर

इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में कर सकते उपयोग

छोटे-बड़े हर प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम के प्रदर्शन को सुधारने और चिप डिजाइन में सुधार करते हुए बेहतर मेमोरी सर्किट प्रदान करते हुए आईआईटी इंदौर के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के डॉ. नंदकिशोर यादव और प्रो. संतोष कुमार विश्वकर्मा को छठा पेटेंट मिला है। यह पेटेंट 'रीड रिचार्ज आधारित प्रोसेस वेरिएशन टोलरेंट 10टी एसआरएएम सेल' के लिए दिया है। यह 20वां पेटेंट है।

आविष्कार करने वाले प्रो. संतोष कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि आजकल हर प्रकार की चिप को छोटे आकार में बनाने के लिए सभी कंपनियां प्रयासरत हैं। किसी भी चिप का 90% हिस्सा मेमोरी सर्किट का बना होता है। ऐसे में जब मेमोरी सर्किट को छोटे नैनो मीटर के आकार में बनाया जाता है तो इसका प्रभाव उसके प्रदर्शन पर भी पड़ता है और कुछ ही सालों में उसका प्रदर्शन खराब होने लगता है। इसकी वजह से वह इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी कुछ सालों में ही खराब हो जाता है।



लंबे समय तक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को जिंदा रखने के लिए और चिप की मेमोरी को विश्वसनीय बनाने के लिए इस स्टेटिक रैंडम एक्सेस मेमोरी बाइट सेल का आविष्कार किया गया है। इसका उपयोग सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में किया जा सकता है, जिसमें टीवी, फ्रिज से लेकर मोबाइल लैपटॉप और स्मार्ट वॉच जैसे उपकरण भी शामिल हैं। आईआईटी इंदौर द्वारा तैयार की गई इस नई तकनीक के उपयोग से छोटे से छोटे उपकरणों में इस्तेमाल होने वाली चिप के प्रदर्शन में इजाफा होगा और यह लंबे समय तक बेहतर प्रदर्शन कर सकेगी।